Dr Rupashree Tamas
Associate Prof
TDC Part III
paper - IV th
Educational Psy

अपराधी बालकों के उपचार एवम् शिक्षा (Treatment and Education of Delinquent Children)

अपराधी बालकों के उपचार के विभिन्न measures को दो भागों में विभाजित करते हैं।

1- Preventive Measures
2- Curative Measures

1- Preventive Measures से तात्पर्य ऐसे तरीकों से है जिनके द्वारा बालकों को अपराधी बनने से बचाया जा सकता है। इस उद्देश्य की पूर्ति में शिक्षक, माता-पिता, समाज सुधारक तथा सरकार का सहयोग आवश्यक है। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित तरीकों पर अमल किया जा सकता है

1- घर का उचित वातावरण
2- घर का उचित अनुशासन
3- इच्छाओं की पूर्ति
4- अच्छे खेल एवं साथी
5- उचित शिक्षा एवं विद्यालय
6- सरकारी सहायता।

Scanned with CamScanner

Corrective Measures -
के अन्तर्गत निम्नलिखित techniques आते हैं

1- Physical Method के द्वारा ऐसे अपराधी का निदान किया जाता है जो बालकों के शारीरिक दोष के कारण उत्पन्न होते हैं इसमें सर्वप्रथम शारीरिक दोष का पता लगाया जाता है और इसके अनुसार उसका निदान करके अपराधी बालकों में सुधार लाया जाता है।

2- Suppression Method :- इस विधि के द्वारा बालकों की ऐसी इच्छाओं को दबा दिया जाता है जिसके कारण वे अपराधी व्यवहार करने लगते हैं प्रारंभिक काल से ही माता-पिता, अभिभावक शिक्षक तथा अधिकारी वर्ग के द्वारा अपराधी बालकों में सुधार का प्रयास करते रहते हैं

3- Juvenile Court - अपराधी बालकों को बाल-अपराध-न्यायालय में हाजिर किया जाता है जहाँ औपचारिक रूप से उनकी परीक्षा की जाती है, परीक्षा का उद्देश्य सजा

Page No.
Date : / /

देना नहीं बल्कि अपराध के कारणों को समझना तथा उनका निदान करके बालकों में सुधार लाना है।

Psychological Method – इस विधि के अन्तर्गत अपराध के कारणों का पता लगाया जाता है और उसके अनुसार वातावरण में सुधार लाने का प्रयास किया जाता है। बाल-सुधार गृह, पालन गृह आदि की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई है।

Psychoanalytic Method – इस विधि में सबसे पहले बालकों की दमित इच्छाओं तथा संवेगों का पता लगाया जाता है इसके लिए free association, dreams, दैनिक जीवन की भूल आदि का विश्लेषण किया जाता है इस प्रकार इनके संवेगों तथा इच्छाओं को फिर से ताजा करके इनकी समुचित अभिव्यक्ति एवं संतुष्टि का हर संभव प्रयास किया जाता है।